



मसाला बॉन्ड को कॉरपोरेट बॉन्ड के दायरे से बाहर किया गया

चर्चा में क्यों?

रज़िर्व बैंक ऑफ़ इंडिया (Reserve Bank of India - RBI) द्वारा वदेशी नविशकों हेतु कॉरपोरेट बॉन्ड में नविश की सीमा को बढ़ाया गया है। आरबीआई द्वारा कुल कर्ज़ नविश सीमा के दायरे से रुपए बॉन्ड अथवा मसाला बॉन्ड को बाहर कर दिया गया है।

वर्तमान स्थिति

- वर्तमान में, वदेशी पोर्टफोलियो नविशकों (Foreign Portfolio Investors - FPIs) द्वारा कॉरपोरेट बॉन्ड में नविश की सीमा 2,44,323 करोड़ रुपए है। इसके अंतर्गत 44,001 करोड़ रुपए के (पाइपलाइन सहित) रुपए बॉन्ड यानी मसाला बॉन्ड को भी शामिल किया गया है।
- फलिहाल मसाला बॉन्ड को एफ.पी.आई. और बाह्य वाणज्यिक उधारों (External Commercial Borrowings - ECBs) हेतु सी.सी.डी.एल. (Combined Corporate Debt Limit - CCDL) के तहत संगणित किया जाता है।
- आर.बी.आई. के कथनानुसार, प्रत्येक तमिही में 9,500 करोड़ रुपए की राशि केवल दीर्घकालिक एफ.पी.आई. [यानी संप्रभु संपदा धन (sovereign wealth funds), बहुपक्षीय एजेंसियों, एंडोमेंट फंड (endowment funds), बीमा फंड, पेंशन फंड और वदेशी केंद्रीय बैंकों] के आधार पर बुनियादी ढांचागत क्षेत्र में नविश के लिये उपलब्ध होगी।
- इसके अतिरिक्त दीर्घकालिक एफ.पी.आई. बुनियादी ढाँचे के अलावा अन्य क्षेत्रों में नविश करने के लिये पात्र रहेंगे।

44,001 करोड़ रुपए जारी किये जाएंगे

- 3 अक्टूबर, 2017 से एफ.पी.आई. द्वारा नविश के लिये मसाला बॉन्ड को कॉरपोरेट बॉन्ड का हिससा नहीं माना जाएगा। ये अब ई.सी.बी. का हिससा होंगे तथा इसी के तदनुसार इनकी नगिरानी भी की जाएगी।
- मसाला बॉन्ड के स्थानांतरण से 44,001 करोड़ रुपए की राशि को आगामी दो तमिहियों में वदेशी पोर्टफोलियो नविश हेतु कॉरपोरेट बॉन्ड्स में जारी किया जाएगा।

वभिन्न प्रकार के बॉन्ड

वर्तमान में बहुत से बॉन्ड चर्चा का वषिय बने हुए हैं, जिनके कारण अक्सर दुवधि की स्थिति बन जाती है। इस दुवधि से बचने के लिये ही हमने ऐसे कुछ बॉन्डों के वषिय में यहाँ संक्षिप्त जानकारी देने का प्रयास किया है, जो कि इस प्रकार हैं -

मसाला बॉन्ड

- मसाला बॉन्ड भारत के बाहर जारी किये गए बॉन्ड होते हैं, लेकिन स्थानीय मुद्रा की बजाय इन्हें भारतीय मुद्रा में नरिदषिट किया जाता है।
- डॉलर बॉन्ड के वषिरीत (जहाँ उधारकर्त्ता को मुद्रा जोखमि लेना पड़ता है) मसाला बॉन्ड में नविशकों को जोखमि उठाना पड़ता है।
- नवंबर 2014 में वशिव बैंक के इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन द्वारा पहला मसाला बॉन्ड जारी किया गया था।

रुपए बॉन्ड

- रुपए ऋण बॉन्ड (Rupee Debt Bonds) को रुपए डेनोमिनेटेड बॉन्ड (Rupee Denominated Bonds) या 'मसाला बॉन्ड' (Masala Bonds) के रूप में भी जाना जाता है।
- इस प्रकार के बॉन्ड को भारतीय संस्थाओं द्वारा वदेशी बाज़ारों में वदेशी मुद्रा जोखमि को खत्म करने के लिये जारी किया जाता है।
- मसाला बॉन्ड, ऑफशोर कैपिटल मार्केट (Offshore Capital Markets) में जारी किये गए भारतीय रुपए डेनोमिनेटेड बॉन्ड (Indian Rupee Denominated Bonds) हैं।

हरति बॉन्ड

- हरति बॉन्ड, संघीय योग्य संगठनों अथवा नगर पालिकाओं द्वारा ब्राउनफील्ड साइटों (Brownfield sites) के विकास के लिये जारी कर-मुक्त बॉन्ड होते हैं।

- ग्रीन बॉन्ड, दूसरे बॉन्डों की तरह ही होते हैं, लेकिन इनके तहत केवल पर्यावरण के अनुकूल परियोजनाओं यानी हरित परियोजनाओं में निवेश किया जाता है। ऐसी परियोजनाएँ आम तौर पर अक्षय ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, स्वच्छ परिवहन, सतत जल प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन के प्रती अनुकूलता क्षेत्र में अवस्थित होती हैं।

जलवायु बॉन्ड

- जलवायु बॉन्ड (इन्हें ग्रीन बॉन्ड के रूप में भी जाना जाता है) के रूप में नश्वरि-आय वाले वरितीय साधनों (बॉन्ड) को जलवायु परिवर्तन संबंधी समाधानों से कसिी-न-कसिी तरह से संबध कयिा जाता है।
- जलवायु बॉन्ड (Climate bonds) अपेक्षाकृत एक नया परसिंपत्तविरग (New Asset Class) है। इसके बावजूद इसमें बहुत तेज़ी से वृध्दि हो रही है।

सामाजिक प्रभाव बॉन्ड

- सामाजिक प्रभाव बॉन्ड (Social Impact Bond) को सफल वरितीपोषण हेतु वेतन (Pay for Success Financing) अथवा सामाजिक लाभ बॉन्ड या केवल एक सामाजिक बॉन्ड के रूप में जाना जाता है।
- वसतुतः यह सार्वजनिक क्षेत्र के साथ एक अनुबंध के रूप में होता है, जसिमें बेहतर सामाजिक परिणामों के लयि भुगतान करने की प्रतबिध्दता व्यक्त की जाती है। इसका परिणाम सार्वजनिक क्षेत्र की बचत में परलिकषति होता है।

वकिस प्रभाव बॉन्ड

- वकिस प्रभाव बॉन्ड (Development Impact Bonds - DIBs) एक प्रदर्शन-आधारित निवेश साधन है, जसिका उददेश्य कम संसाधन वाले देशों के वकिस कार्यक्रमों को वरितीपोषति करना है।
- वकिस प्रभाव बॉन्ड को सामाजिक प्रभाव बॉन्ड के आधार पर बनाया जाता है।

औद्योगिक राजस्व बॉन्ड

- औद्योगिक राजस्व बॉन्ड (Industrial Revenue Bond - IRB) राज्य अथवा स्थानीय सरकार द्वारा आयोजित एक अनूठे प्रकार का राजस्व बॉन्ड होता है।
- इस बॉन्ड को एक सरकारी इकाई द्वारा प्रायोजित किया जाता है।

सामान्य दायरि व बॉन्ड

- एक सामान्य दायरि व बॉन्ड (General Obligation Bond) एक नगरपालिका बॉन्ड होता है।
- ये कसिी परियोजना से प्राप्त राजस्व के स्थान पर वरितीरि अधिकार क्षेत्र के क्रेडिट और कर लगाने की शक्ति द्वारा समरथति बॉन्ड होते हैं।
- सामान्य दायरि व बॉन्ड को इस धारणा के साथ जारी किया जाता है कि इसके आधार पर नगरपालिका परियोजनाओं से प्राप्त राजस्व अथवा कराधान के माध्यम से अपने ऋण दायरि वों को चुकाने में सक्षम हो जाएंगी।

कॉरपोरेट बॉन्ड

- कसिी कॉरपोरेशन द्वारा जारी कयि गए बॉन्ड को कॉरपोरेट बॉन्ड कहा जाता है।
- कॉरपोरेट बॉन्ड को पहले से चल रहे कार्यों अथवा वलिय एवं अधगिरहण अथवा व्यापार का वसितार करने जैसे वभिन्न कारणों हेतु वरितीपोषण बढ़ाने के लयि जारी किया जाता है।
- हालाँकि, कॉरपोरेट बॉन्ड शब्द को बहुत सटीकता के साथ परिभाषित नहीं किया गया है।